रागं: बौळि ताळम्: आदि

एक्कडि मानुष जन्मम्बेतिन फलमॆमुन्नदि
निक्कमु निन्नॆ नम्मिति नी चित्तम्बिकनु

1. मरुवनु आहारम्बुनु मरुवनु संसार सुखमु
मरुवनु इन्द्रिय भॊगमु माधव नी माय
मरचेद सुज्ञानम्बुनु मरचेद तत्वरहस्यमु
मरचेद गुरुवुनु दैवमु माधव नी माय

2. विडुवनु पापमु पुण्यमु विडुवनु ना दुर्गुणमुलु
विडुवनु मिक्किलि यासलु विष्णुड नीमाय
विडिचेद षट्कर्मम्बुनु विडिचेद वैराग्यम्बुनु
विडिचेद नाचारम्बुनु विष्णुड नी माय

3. तगिलेद बहुलम्पटमुल तगिलेद बहुबन्धम्बुल
तगुलनु मॊक्षपु मार्गमु तलपुन एन्तैना
अगपडि श्रीवॆङ्कटॆश्वर अन्तर्यामिवै
नगिनगिननु नीवॆलिति नाका ई माय